

185

Pinda
Kriya

३३३३३३

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सं०६६ नक्षत्रादिगणमासे कथाय के दा

I

9637

सं०६६४ राहुपदधुतयुचमी आदियवानः पदुदू॥ शीमदा
दवरा रुचाया समारुत रुतुला॥ शीमदाया॥ ॥ ॥ ॥

ॐ नमो बुद्धाय नमः॥ नमो भगवते कर्मणि धिनि स्थितं ॥ ॥
मूधमानि रूतानं न द्यायो॥ मृत्तिका॥ गामय॥ कृष्ण॥ तिल
॥ गीवगवये॥ कयामार्ग॥ दूर्वा॥ यथाशक्ति यथाशक्त रूः
ल॥ यव॥ बुद्धादी यथाशक्ति॥ समनसना दला दकार्कः
मृदोद॥ गय निरुपय॥ ॥ ॐ बुद्धाल्या योनि यादी रु रूय
काल्य कृष्ण व यहा वद्विनिषीय कृष्ण वीर्या यम्य॥ ॥ वद्व
निषीमनु ॥ ॐ बुद्धाय नमः॥ ॐ बुद्धाय नमः॥ ॐ नमः॥ गम्

वायव्य ॥ उं गं वक्र सहस्रानिः शिवविष्णुशिवानिच । स
 र्यनामसहस्रानिः शिववर्धकनामहं ॥ ॥ तीर्थगा
 वारुनमनु ॥ उं विष्णु ॥ या देवसुतासिः वेष्णुविष्णुयुजी
 ना । या हिनरुनसहस्रमा दाडनममजगत्तिकात् ॥ निः
 स ॥ कोट्युक्तादीनीः जीर्णनीवायव्यवीत् ॥ दिविशुच्यः
 गजिश्चः तानिगंसंतिजीकृती ॥ नदिनीगंवर्तनामाः दे
 वं नलिनीविच । वृन्दायथीवसुरगाः विश्वकायाणि

ब्राजिना ॥ विशाधवीसुयसन्ताः तथा ला कयुगदिनी ॥ क
 माचडाकृतीवेवः गनाशानि यदायिनी ॥ वृत्तानियुक्तः
 तामानिज्ञानकालयुकीरुथ ॥ गवर्त्सनिदितातस्या ग
 गशियथगमिनी ॥ ॥ उं मादिहृमायदाकर्त्तमसुः
 म्ना नानोनवीयेदि । श्रुतस्य कल्याडुष्टतस्य यथा मूनशा
 ॥ ॥ उं म्नादि ॥ उं म्नासुक्तावधी कर्मस्य विसादिहः
 सर्वथायद्यथासुतार्थपुणामर्णाननिमित्तार्थकः

ॐ ह्रीं क्लीं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ सर्वं भूतमनन्तरं स्वर्गाय ॥ ३ ॥ लंखस्वया सत्र काया तः
भावते ॥ ॐ समिधिया नाना यथा वधेयः सनुदूर्भिषियाः
सः सो सनु आत्मा न्द्विष्य ऊर्वयन्दिष्या ॥ ॥ ॐ क्लारिकाष
जः पालः जलान्नः चान्तस्वर्गिय ॥ गङ्गा मृत्तिका काया ॥ ॐ म्र
श्वकान्त विष्णुकान्त वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ इति तासि वराह दक्षः कृष्णः
गतवा द्रुपदः ॥ मृत्तिके वक्रदत्ता च काश्यपा नाविमनिका
मृत्तिके रुद्रमयायी यन्मया दूष्टी कृती ह्यया रुद्रो नयाथ

अथकार्त्तव्यम् । ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नः सर्वथा ये ४ यमच्युत ॥ सूर्यकनमनु ॥ ॐ ॐ दं दिवू ॥
ॐ ॐ कृष्ण ॥ २ ॥ लंखनन ॥ ॐ लमनशूरि ॥ ॐ नूयासू
स्मान् ॥ ॥ स्नान ॥ सासविकायाव कयालसतय ॥ ॐ मानका
क ॥ ३ ॥ यकायकाकायाव कयालसतय ॥ ॐ ॐ मानद्वारा
॥ ३ ॥ नूयासू नगालावदाय ॥ ॐ नूयाद्यमय किलिषम
यकला मया नय ४ ॥ नूयासू नलमसदयद् ४ यय ॐ सूच ४ ॥
३ ॥ सलकायाव नखनहाय ॥ ॐ काका लाका लुगो रु निः
नवसकपा नकयडी नायपुनना महमगी ४ यथामममद्विपदचरुष्यद

विष्णुसूक्तं ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यत्र ४ यत्र यत्र वि । यवाना दूर्ध्वयतन सह संलग्नः
नय ॥ ३ ॥ लंखनहाय ॥ ॐ ॐ सभाववृष्टि ॥ ॐ न
लायामि ॥ ॐ लना नूयववृष्टि विद्वत्तस्य रुता नूः
वया सिसी ४ ॥ यजिष्ठा वक्रि नम ४ ॥ नाना विष्वा द्वः
वा ॐ सिधुम मस्मत् ॥ ॐ सलना एनवभा कया ती नदि ४
नूया ४ यसा विष्ठा । नूयसू नाना ववृष्टि ४ नना ॥ ४ ॥ वीही
मूर्धक ४ सूह नाना ४ ॥ ॐ साया मो वधी नहि ॐ सी धी मो धी

वा ऊँ सु ताव नू धम ॐ । यदा द्वा ज न्मा ॐ निव नू (ध निश रुम
रु त ताव नू धम ता म ॐ ॥ ॐ उ दू रु मं व नू ध या श म स्म द वा ध
मं वि म ध्म म ॐ ध था व य । नू धा व य मा दि ह्य व नं वा ना श सा नू
दि रा थ ग्म म ॥ ॐ म ॐ नू मा श य थ्मा द (धा व नू ध्मा दू रा । नू धा
य म स्म य द्वा सा नू धे स्मा द व कि लि या नू ॥ ॐ नू व रु त नि रू य
न नि च नू न सि नि रू य न ॥ नू व य व दं वे रु त मं ना या शि वः
म व म हो म ह्य रु त य नू न्ना द व रि य स्वा दि ॥ ॐ ॥ ध मेः

ध द न लं य न रा य ॥ ॥ द्वा रु नि म नू य न या व नू सि य ॥ दू न
नू र व न द्वा य ॥ ॐ नू धा दि ष्ठा ॥ ॐ उ द मा य ४ य रु रु ना व द्वा
च म ल ॐ य नू । य द्वा रि नू द्वा रु नू र य च (ग य नू शी नू धं ॥
ॐ नू या मा न स्मा द न स ४ य व मा न ॐ म ॐ रु ॥ ॐ रु वि ष्वा ती
वि मा नू या रु वि ष्वा ॐ नू वि ष्वा श ति । रु वि ष्वा न्द वा नू ध वा रु
वि मा नू नू नू मू रू य ॥ ॐ द ती नू या नू या नू या द्वा व रु मि म
रु वि ष्वा नू दि रा वा न्मा दि रु म ॥ त न्द वं श्वा द व ग द रु रु क

यथा यथा गंगामुखात् ॥ ॐ का मृदिरसि ॥ ॐ दत्तीयाय नमः
 यथा गङ्गासु सूर्योत्तमं सूर्योत्तमं विरुन्ता ॥ यथा सामेव नलाकाः
 सूर्योत्तमं सूर्योत्तमं विरुन्ता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हिरी। अथाहं वसस्य जीव जगत् श्री गङ्गा मरुत सः॥ ॐ यूननु
मायित नः॥ ॐ अग्न आयुर् विषयत स आस वायुं सिर्वचनः
आयवा उः स्वदुक्कनाम्॥ ॐ यूननुमा दत्त जना॥ ॐ यविः
वैध यूनी हि मा॥ ॐ यत यविर्गुमसि॥ ॐ यवमानः ॥ अशन
॥ ॐ उरा र्यां दत्त सविता॥ ॐ वैश्वदेवी यूननी॥ ॐ नित्यः
निम्नो यूनान्त्वष्टिः अथ यविर्गुमस्य सूर्या स्यावन्मिहि॥ नस्य नः
यविर्गुयत यतिर्गुयूनस्य स कामः ॥ यूनन चूकैर्यं॥ ॐ वाः
ननु मायिगामहा ॥ यूननु ययिगामहा ॥ यविर्गु ॥ अगायुषा नायुवर्गुविशा ॥ ॐ यूननु
योनयूनानुमा॥ ॐ यवमानः ॥ अशन ॥ यविर्गु ॥ विचर्षेति यः ॥ योगा स यूनानुमा॥ ॐ

श्रीरुद्रा निष्कारवदः यनी हिमा ॥ कुं य किं न म
 नी हि विधरा ॥ कुं देवदवी धमी द वा म दया
 इति नादः वज ॥ ७ ॥ श्रीमयं ग्ना न दी न ॥

३३
 क. नमो यना त्वच्छिदं धयवि शं धसूर्यस्य त्रिभिः शि १। तस्य
 यवि श्रुयं यवि श्रुयूतस्य यत्ना मय न तच्छु कं य ॥ ॐ दं द
 मा सविता यना त्वच्छिदं धयवि शं धसूर्यस्य त्रिभिः शि १। तस्य
 नं यवि श्रुयं यवि तस्य यत्ना मय न तच्छु कं य ॥ ॐ चियमि
 म्मो यना तु ता ग्वनि म्मो यना तु दं द मा सविता यना त्वच्छिदं
 धयवि शं धसूर्यस्य त्रिभिः शि १। तस्य नं यवि श्रुयं यं यवि श्रुः
 यत्ना मय न तच्छु कं य ॥ ॐ दं द स्यात् ॥ ॐ स्वस्ति नं ॥ ॐ ॥

ॐ यय ४ यि शी ॥ ॐ विष्णु च नाठ मसि ॥ ॐ मृनि धं द ता ॥ ॐ
 श्री ४ भा नि ॥ ॐ दं वि शं ॥ धनं ननु धनं स्व न दान ॥ ॥
 ॐ या त्र मानी स्व रु य नी मू द्वा यि श्रु न श्रु त १। म वि कि ४ स
 रु ता न स वा द्वा (ध स मृ नं हि नं ॥ १ ॥ या त्र मानी दि ग नु न
 रु म ल्ला क म (ध न म । का ना न स म द्वा य नु ना दं द द ४ स
 मा हि ता १ ॥ २ ॥ य न द ता ४ य वि शं धः आत्मानं यून नी सदा ।
 न न स रु अ ध न न । या त्र म न्ना ४ यून नु मा ॥ २ ॥ या जा य श

पविर्गचः गता धामैरिज धामैः न न वृद्धा विदा वर्यः यूतं व
 क्रयूनीमहं ॥ ६ ॥ हुं नृ ४ सूनी ती ४ सह मायूना गुसा मे ४ स्त्र
 स्थाव नृ व ४ समी श्र ४ यमी मा जा ४ यम धारि ४ यना गु मा जा
 न वेदा मूर्ज सन्धा यूना गु ॥ ७ ॥ म ध य सु न य स सा य स वे
 सवे डि गि ध त ४ न य ४ य ४ न य ४ यी य नृ या व मानी व
 या व ती नृ ॥ ८ ॥ य न म ग डे व च ४ य यं म र्ग य या य म स्त्र च
 किं चि ऊ न्य न या न स्त्र च य या नि च व र्द्ध ना म न त्या व मानी ॥

रि व र्द्ध यूना नि ॥ ९ ॥ मा ता यि या र्थ न म रु र्द्ध व ना म स्त्र च व र्द्ध यं ग
 मा व र्द्ध व वि श्व स्य नृ वि ति व था म न त्या व मानी रि व र्द्ध यूना
 मि ॥ १० ॥ ग म ध्या रु रु नृ व र्द्धा सी व धा या च कि लि र्थ या व र्द्ध व
 व र्द्धा य ४ न त्या व मानी रि व र्द्ध यूना मि ॥ ११ ॥ क य वि क य यो
 नि दा या रु रु सा सु गू य ति य ला नृ म स र्द्धा अ नृ र्गं स न त्या व
 मानी रि व र्द्ध यूना मि ॥ १२ ॥ व र्द्ध व धा सु वा या धा ४ स्त्र र्द्धु र्द्धा
 व र्द्ध ल मे धू न र्ग मा नृ गु वा दी वा धि ग म ना व र्द्धा व मानी ॥

रिजहं यूनानामि ॥ ११ ॥ बालश्चात्मा सु० ४ ॥ येन तद्वत्तु ॥ सुमि नस्क
वान्मर्त्यवर्तुसं जममेधूनात् ॥ यायं शुभ्रयनिचहं सदीयह
वसिदू० कर्तुं तत्त्यावमानि रिजहं यूनानामि ॥ १२ ॥ दूजयसंद
नाधीतयायीयच्छाज्ञानभामूर्त्त ॥ मूयाचिनायासंयाद्व० न
त्यावमानि रिजहं यूनानामि ॥ १३ ॥ ममकुर्मन्ययत्किञ्चिद्
यनेवदुनागन ॥ सर्वस्वमर्कनंयायी ॥ तत्यावमानि रिजहं
यूनानामि ॥ १४ ॥ ॐ नस्याथानयाम् नस्याधमति ॥ १५ ॥ ॐ नस्याधमति ॥ १६ ॥

यूष्मथानया ॥ नानाया० ४ ॥ यवहृन्निपायीषु द्वागच्छामि सु
कृतासु लोकेन तत्यावमानि रिजहं यूनानामि ॥ १७ ॥ यावमा
नी० स्वस्यायनीयीरिन्नचुतिना न्यनी ॥ यद्यथैवका रयद
निन्मृत्तलं हि गच्छति तत्यावमानि रिजहं यूनानामि ॥ १८
॥ यावमानं यत्रैव यच्छुर्कञ्चि० ४ ॥ सनादनं ॥ ॐ विनस्या० ४
यनिषु तत्तु श्रीवैसर्पिर्मधूदकं ॥ १९ ॥ यावमानं यि नन्द
वैधायश्च सवस्वनी ॥ यि नन्द्या० ४ ॥ यनिषु तत्तु श्रीवैस

ॐ श्री धृदकं ॥ १६ ॥ ॐ निघात मानीः समाक ॥ ॥ ॐ क
पदादिव ॥ ॐ श्री सौमिः ॥ ॥ महाया हतिन डिथाल
माल सहाय ॥ १० ॥ बाधायाम ॥ स्नानं ॥ ॥ ॐ निघातभीक
मस्नान विधि समाक ॥ ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॥ ॥
रभा कल गा चेत ॥ ॐ श्री आदि ॥ श्री सहाव भीक मसक
वि साहि त्य कल गा चेत निमि त्यर्थ ॥ ॐ श्री कृष्ण ॥ पृथ्वी म
॥ ॐ सिद्धि वरु ॥ गुन नम स्नात ॥ न्यासादि ॥ श्री लक्ष्मी

॥ गदा दाना चेतन ॥ ॐ नलाय मिह्यादि ॥ ॐ दद स्यात्वा ॥ ॐ त
माम्भूरि ॥ ॐ श्री याग स्नान ॥ ॐ श्री कृष्ण ॥ ॐ यद स
न्य ॥ ॐ यद्मानन ॥ ॐ स्नाना दधिती ॥ ॐ यन यत्न ॥ ॐ श्री
मिन्दे ॥ ॐ दाना दती ॥ ॐ यत्न विष्णु स्नान ॥ ॐ श्री कृष्ण ॥ ॐ ॐ ॐ
दीविष्णु ॥ ॐ श्री मिमा उहि ॥ ॐ ॐ यत्न ॥ ॐ श्री नम्राया ॥ ॐ
गना दती ॥ ॐ दय दय ॥ ॐ नदीया ॥ ॐ गण नात्वा ॥ ॐ वृह
स्य वे ॥ ॐ याव कान ॥ ॐ श्री यत्न ॥ ॐ श्री स्या क मिन्दु ॥ ॐ नः

भातुय साय ॥ ॐ सफ इ ऊ नि ॥ ॐ नू सोय मुआ ॥ ॐ निघा
वाचनं ॥ ॥ गभा कलशाचनं ॥ ॐ नू जिघुकलर्ग ॥ ॐ ॐ म
भग (३) ॥ ॐ मितासितं सवि नंय सं गभ रया पूना नादिवम
त्यतनि । यवेन त्वं विरुज निधी वा सुवे जना सा नू मर त्वं
रुजने ॥ ॐ व नू दशाप ॥ ॐ व दू यज्ञानं ॥ ॐ ॐ दं विष्णु ॥ ॐ
नमः ॥ ग नू दाय ॥ ॐ शुभकं ॥ ॐ हि व धा ग र्ग ॥ ॐ श्री ॥ ॐ ॥
ॐ नि कलशाचनं ॥ ॥ ॐ नू दू ॥ ॐ उ रा विद नम ॥ ॐ

या ना नमिन्द ॥ ॐ स श्री जामा ॥ ॥ नू वि यूनं ॥ ॐ वा दू
धा सः ॥ यि न न ॥ ॐ व दू दशाप ॥ ॐ य स्य कूमा ॥ ॐ य न यत्न
॥ ॐ व दू यज्ञानं ॥ ॐ नू यं स रुय ॥ ॐ सफ स यय ॥ ॐ ॐ दं वि
ष्णु ॥ ॐ नमः ॥ स नू दाय ॥ ॐ नि नू वि यूनं ॥ ॥ ॐ न नू यं यः
स्वा रा । यादि ॥ ॐ यो ग यो ग ॥ ॐ नू य नू य यो ग ॥ ॐ स नू य
त्रासि ॥ ॐ ग नू दाय ॥ ॐ ॐ मा नू दाय ॥ ॐ य द श क ॥ ॐ वी ज य
दा ॥ ॐ द धि का यो ॥ ॐ दी र्घा यू र्वा ॥ ॐ या ॥ रु ल नी ॥ ॐ स मि

नमो संकल्ययना ॥ उं धीश्वर ॥ उं धूर्जसि ॥ उं नञा सि ॥ उं स्र-
स्तिनलु न्या ॥ उं यय ४ य विद्या ॥ उं विष्णु त्रजाठ मसि ॥ उं मू-
मिदं गा ॥ उं शो ४ गानि ॥ उं मना हूनि ॥ य निवा ॥ जाय र्ना
॥ उं नना वधी ॥ ॥ अथ मृ सि यूजनं ॥ उं सर्वे विद्या नम
४ ॥ उं वक्रा १ ॥ उं विष्णु २ ॥ उं नृदाय २ ॥ उं युजाय नय
२ ॥ उं दवशा २ ॥ उं रुद्राशा २ ॥ उं वदशा २ ॥ उं मृ विद्या
२ ॥ उं सना नानाय २ ॥ उं मूचा योय २ ॥ उं मंध वीय २ ॥ उं

नवाचार्योय २ ॥ उं पूवाषाचार्योय २ ॥ उं लु नवाचार्योय २ ॥
उं सावयवाय २ ॥ उं दव्यो २ ॥ उं मूषावसं २ ॥ उं सागवाय २
॥ उं यर्वनाय २ ॥ उं सविनं २ ॥ उं मनूषाय २ ॥ उं यक्षाय
२ ॥ उं नृक्षाय २ ॥ उं यिगाय २ ॥ उं सूवक्षुय २ ॥ उं रु-
ताय २ ॥ उं नरुवाय २ ॥ उं वनस्य नय २ ॥ उं डा वधय २ ॥ उं
जवायुजाय २ ॥ उं मूछुजाय २ ॥ उं उडिजाय २ ॥ उं श्वदजा-
य २ ॥ उं नादवता ॥ ॥ उं तलाय २ ॥ उं विनलाय २ ॥ उं

स्रनलाय२॥डं नितलाय२॥डं तला गलार२॥डं वसा गलाः
 य२॥डं या गालाय२॥डं रु लो काय२॥डं रु व लो काय२॥डं
 स्र लो काय२॥डं मरु लो काय२॥डं ऊ नला काय२॥डं नय
 ला काय२॥डं सखला काय२॥ॐ निचुद्वे ग रु वना नि॥॥
 डं मायगीशा२॥डं सावित्रीशा२॥डं सत्रस्रथे२॥डं मरु
 उयाय२॥डं मूमनी श्वजीय२॥डं ॐ ज्ञानाय२॥डं न लू
 वाय२॥डं मूधा जाय२॥डं वास देवाय२॥डं स धा जा नाय

२॥डं गथे२॥डं सर्वमं लाय२॥डं स्कन्दाय२॥डं नन्दि ने२॥
 डं विनाय काय२॥डं महा कालाय२॥डं रु मि।ष२॥डं च
 रुषवाय२॥डं वक्रा।षे२॥डं साहज्ये२॥डं को माथे२॥
 ॥डं वे वूथे२॥डं वायाथे२॥डं ॐ न्दा।षे२॥डं चामूलाये२॥
 ॥डं महा लक्ष्मी२॥डं नन्दादिय२॥यमा रु कौशा२॥डं धर्म
 वयाय२॥डं केशवादिदादणमूर्तिय२॥डं ध्यादिदादणवै
 २॥डं गजगय२॥डं वक्रा।ष२॥डं गीतमाय२॥डं रु व द्वाः

ॐ नमो भगवते ॥ ४

जाय २ ॥ ॐ विष्णुमित्राय २ ॥ ॐ समदन्तय २ ॥ ॐ वलिष्ठाय २
॥ ॐ कश्यपाय २ ॥ ॐ नृगय २ ॥ ॐ रत्नकराय ४ ॥ ॥ ॐ मन्त्री
यय २ ॥ ॐ नृगय २ ॥ ॐ मन्त्रिजस २ ॥ ॐ धूम्रम्हाय २ ॥ ॐ धूम्र
हाय २ ॥ ॐ कुम्भ २ ॥ ॐ वलिष्ठाय २ ॥ ॐ नावदाय २ ॥ ॐ रा
वहाजाय २ ॥ ॐ काश्यपाय २ ॥ ॐ गम्भमाय २ ॥ ॐ मानवा
य २ ॥ ॐ विष्णुमित्राय २ ॥ ॐ साङ्गवल्काय २ ॥ ॐ घ्राणाय २
२ ॥ ॐ नृगयधिन २ ॥ ॐ धूम्राय २ ॥ ॐ रत्नकराय २ ॥ ॥

ॐ नृगदाय २ ॥ ॐ यशर्वदाय २ ॥ ॐ सामवेदाय २ ॥ ॐ मू
धर्ववेदाय २ ॥ ॐ निवेद ॥ ॥ ॐ नृनकाय २ ॥ ॐ वृधाय २ ॥
सनकाय २ ॥ ॐ सनेन्दाय २ ॥ ॐ सनातनाय २ ॥ ॐ सनत्कु
माय २ ॥ ॐ कविलाय २ ॥ ॐ नृसूत्राय २ ॥ ॐ वारव २ ॥ ॐ
यशर्वदाय २ ॥ ॐ सर्वदेवताय २ ॥ ॐ सर्वेश्वर २ ॥ ॐ सर्वा
विष्णुनाय २ ॥ ॐ नृसर्वदेवता ॥ ॥ नृसर्वेश्वर ॥ ॐ य
माय २ ॥ ॐ धर्मनाकाय २ ॥ ॐ मृहव २ ॥ ॐ नृनकाय २ ॥

ॐ वेद स्यात् ॥ ॐ कालाय ॥ ॐ सर्वलोककृपाय ॥
 ॐ इन्द्राय ॥ ॐ नीलाय ॥ ॐ दध्नाय ॥ ॐ यत्र भः
 विनः ॥ ॐ रुद्रकाय ॥ ॐ सीमाय ॥ ॐ चिन्ताय ॥ ॐ
 चिन्ताय ॥ ॐ धर्माय ॥ ॐ विद्याय ॥ ॐ विना
 मरुता ॥ ॐ यत्रिनामरुता ॥ ॐ जनसमद्वयता ॥
 ॐ आदित्यादिनवग्रहता ॥ ॐ ह्युन्दाय ॥ ॐ सूर्याय ॥
 ॐ यमाय ॥ ॐ नैऋत्याय ॥ ॐ वरुणाय ॥ ॐ वायवे ॥ ॐ

कृत्वाय ॥ ॐ ह्युन्दाय ॥ ॐ विष्णवे ॥ ॐ ब्रह्मणे ॥
 ॐ शिवाय ॥ ॐ गणेशाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥ ॐ
 कृत्वाय ॥ ॐ योगिने ॥ ॐ दुर्गाय ॥ ॐ त्रिनेत्राय ॥
 ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥
 ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥
 ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥
 ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥ ॐ कृत्वाय ॥

ॐ कलियुगाय २॥ ॐ निचयुग ४॥ ॥ ॐ यथिवेश ॥ ॐ
 मृदुशा २॥ ॐ नंदस २॥ ॐ वायव २॥ ॐ मृकाशाय २॥ ॐ
 य २॥ ॐ मृश २॥ ॐ ध्रुवाय २॥ ॐ सामाय २॥ ॐ
 दिश्व २॥ ॐ मृनिलाय २॥ ॐ मृनलाय २॥ ॐ यमूषाय २॥ ॐ
 यमूषाय २॥ ॐ निश्व २॥ ॐ मृजेकयादाय २॥ ॐ
 मृहिवृषाय २॥ ॐ विबूषाय २॥ ॐ हजराय २॥ ॐ वेदु
 नूषाय २॥ ॐ गृध्रकाय २॥ ॐ सूत्राय २॥ ॐ सावित्रि

॥ ॐ ॥ ॐ उयनिन २॥ ॐ यिनाकिन २॥ ॐ मृयवाजिरं २॥
 ॐ निचयुग ४॥ ॥ ॐ ॐ न्दाय २॥ ॐ ध्रुव २॥ ॐ
 गाय २॥ ॐ यमूष २॥ ॐ मिगाय २॥ ॐ वज्रधाय २॥ ॐ मृय
 मृ २॥ ॐ हंसाय २॥ ॐ विवस्वरं २॥ ॐ सवित्रं २॥ ॐ स्वयं २॥
 ॥ ॐ विष्णवे २॥ ॐ निदादनादिना ४॥ ॥ ॐ वातुगच २॥
 ॥ ॐ चतुष्षष्टिगया २॥ ॐ चष्षष्टिगिनीया २॥
 ॐ सार्जनीयादिमांसा २॥ ॥ ॐ यनियदाये २॥ ॐ दि

द्वादश
 ३२

नीयाये १॥ उं न नीयाये १॥ उं चक्राये १॥ उं यक्ष्मि १॥ उं व
रुमि १॥ उं सफमि १॥ उं कुरुमि १॥ उं नवमि १॥ उं दलः
मि १॥ उं नकादये १॥ उं दादये १॥ उं यथादये १॥ उं च
क्रुदये १॥ उं दूर्धमाये १॥ उं कुरुमाये १॥ ॐ तितिथ
यः ॥ ॥ उं कुरुमि १॥ उं रुद्राये १॥ उं कुरुकाये १॥
उं ब्राह्मि १॥ उं मृगनिवाये १॥ उं कुरुदाये १॥ उं पुनर्वसु
१॥ उं पूषाये १॥ उं कुरुषाये १॥ उं मद्याये १॥ उं पूर्वराः

लुः १॥ उं उग्ररालुः १॥ उं रुद्राये १॥ उं चिगाये १॥
उं स्वाये १॥ उं विगास्वाये १॥ उं कुरुवादाये १॥ उं अवाये १॥
उं मूलाये १॥ उं पूर्वस्वादाये १॥ उं उग्रस्वादाये १॥ उं कुरुः
ये १॥ उं प्रवदाये १॥ उं धनवाये १॥ उं गतवदाये १॥ उं पू
र्वरुदाये १॥ उं उग्ररुदाये १॥ उं प्रवये १॥ ॐ तिरुद्राविं
मिनद्रुयानि ॥ ॥ उं विरुद्राये १॥ उं पीतये १॥ उं कुरु
वाये १॥ उं सीरायाये १॥ उं राराणाये १॥ उं कुरुनिगद्राये १॥

॥ उं शुक्रमा नाय २ ॥ उं धृतय २ ॥ उं शूलाय २ ॥ उं गलाय २
॥ उं वृद्धाय २ ॥ उं कुत्राय २ ॥ उं व्याघ्रा नाय २ ॥ उं हृषिकः
य २ ॥ उं वजाय २ ॥ उं सूक्ष्माय २ ॥ उं योनिया नाय २ ॥ उं व
लिया नाय २ ॥ उं यत्रियाय २ ॥ उं गिताय २ ॥ उं सिद्धाय २
॥ उं साध्याय २ ॥ उं शुभाय २ ॥ उं शुक्लाय २ ॥ उं वक्राय २
॥ उं बुद्ध्याय २ ॥ उं वैधृतय २ ॥ व न स फा विं न निशा न ४ ॥
॥ उं मवाय २ ॥ उं वृषाय २ ॥ उं सिधूनाय २ ॥ उं कर्क

टाय २ ॥ उं सिंहाय २ ॥ उं कन्याय २ ॥ उं तुलाय २ ॥ उं विष्ण
य २ ॥ उं धनुराय २ ॥ उं मकराय २ ॥ उं कुम्भाय २ ॥ उं मीनाय
२ ॥ व न द्वादश राशय ४ ॥ ॥ उं मूषूकं श्या २ ॥ उं सफय
जायति श्या २ ॥ उं सिद्धादि गण श्या २ ॥ उं जयादि दशै २ ॥ उं
जनादि राश्या २ ॥ उं मूनिमादि सिद्धा श्या २ ॥ उं वावादि
करा श्या २ ॥ उं मृदाशै २ ॥ उं तयस २ ॥ उं गन्धर्वाय २ ॥ उं
मूषानस २ ॥ उं विशाधवाय २ ॥ उं मूद्रकं श्या २ ॥ उं वाश्या

१॥ ॐ लोमशा २॥ ॐ हमादि यरु रु शा २॥ ॐ यर्य न्याय २॥
ॐ मद्याय २॥ ॐ संवत्सराय २॥ ॐ कल्याय २॥ ॐ सफनधा
य २॥ ॐ मूनलाय २॥ ॐ कुमायाय २॥ ॐ सवेदवाय २॥ ॥
ॐ उम्बदीयाय २॥ ॐ कुणदीयाय २॥ ॐ ज्ञायदीयाय २॥ ॐ
काकुदीयाय २॥ ॐ ज्ञालदीयाय २॥ ॐ रगामधदीयाय २॥
॥ ॐ यूक्कनदीयाय २॥ ॐ निसकदीय ॥ ॥ ॐ कानकु
वाय २॥ ॐ कीमादकाय २॥ ॐ दक्षीदनाय २॥ ॐ शुभादाय

१॥ ॐ सुभादाय २॥ ॐ दक्षीदनाय २॥ ॐ ॐ रुखादाय २॥ ॥
नसकसमुद्रा ४॥ ॥ ॐ गङ्गादि सर्वतीर्थशा २॥ ॐ मूनः
नाय २॥ ॐ वासुकिन २॥ ॐ तदुकाय २॥ ॐ ककोठकाय २॥
॥ ॐ यद्याय २॥ ॐ मलायद्याय २॥ ॐ र्गखयालाय २॥ ॐ कू
लिकाय २॥ ॐ सर्वनागशा २॥ ॐ निगुरुनागा ४॥ ॥ ॐ
मनवे २॥ ॐ मधुलाय २॥ ॐ कैलाजाय २॥ ॐ मलयाय २॥ ॐ
गङ्गमादनाय २॥ ॐ मरुत्याय २॥ ॐ श्रीयवताय २॥ ॐ रुम

यवसूयंती॥ॐ दवीसूयंती॥ॐ मूयवससूयंती॥ॐ
सागवसूयंती॥ॐ यव्वनसूयंती॥ॐ सत्रिसूयंती॥ॐ
मनसूयंती॥ॐ यवसूयंती॥ॐ नाकसासूयंती॥ॐ
विष्णुसूयंती॥ॐ मूयव्वसूयंती॥ॐ रुवासूयंती॥ॐ
वत्सजसूयंती॥ॐ वनसूयंती॥ॐ डोषविसूयंती॥ॐ
नी॥ॐ जलायुजसूयंती॥ॐ मूयव्वसूयंती॥ॐ डहिजसूयंती॥ॐ
॥ॐ स्वदजसूयंती॥ॐ एतद्वन॥॥ॐ नलसू

यंती॥ॐ विनलसूयंती॥ॐ मूयव्वसूयंती॥ॐ निनलसूयंती॥ॐ
यंती॥ॐ मयालाकसूयंती॥ॐ नलातलसूयंती॥ॐ वसातलसूयंती॥ॐ
यंती॥ॐ यातालसूयंती॥ॐ रुल्लोकसूयंती॥ॐ रुवः
लोकसूयंती॥ॐ स्वल्लोकसूयंती॥ॐ मरुल्लोकसूयंती॥ॐ
॥ॐ जनलोकसूयंती॥ॐ सखलोकसूयंती॥ॐ निचय
द्वन॥॥ॐ मयवीसूयंती॥ॐ सावित्रीसूयंती॥ॐ
नी॥ॐ सवसूयंती॥ॐ मूयव्वसूयंती॥ॐ मूयव्वः

五十五

सू. श्री. नां ॥ ॐ श्यादि द्वादश दं वा सू. श्री. नां ॥ ॐ गजूत सू. श्री. नां
॥ ॐ उष्ण सू. श्री. नां ॥ ॐ रश्मि सू. श्री. नां ॥ ॐ रात्रि द्वादश सू. श्री. नां
॥ ॐ विश्वामित्र सू. श्री. नां ॥ ॐ ऊर्मदग्नि सू. श्री. नां ॥ ॐ वनिष्ठ
सू. श्री. नां ॥ ॐ काश्यप सू. श्री. नां ॥ ॐ अत्रि सू. श्री. नां ॥ ॐ नक्षत्र
व्ययः ॥ ॥ ॐ मन्त्रि सू. श्री. नां ॥ ॐ अत्रि सू. श्री. नां ॥ ॐ अत्रि
वा सू. श्री. नां ॥ ॐ पूर सू. श्री. नां ॥ ॐ पूर सू. श्री. नां ॥ ॐ क
उ सू. श्री. नां ॥ ॐ वनिष्ठ सू. श्री. नां ॥ ॐ रुद्र सू. श्री. नां ॥ ॐ नात्र द

सुप्रींती॥ॐ सा न द्वा ज सुप्रींती॥ॐ क स्य प सुप्रींती॥ॐ ग न
म सुप्रींती॥ॐ मा न द सुप्रींती॥ॐ वि स्या मि त सुप्रींती॥ॐ या
रू व ल्य सुप्रींती॥ॐ य न ग न सुप्रींती॥ॐ अ नू य धी सुप्रींती॥
॥ॐ ध्रु व सुप्रींती॥ ए न ॥ द ग म न य ॥ ॥ॐ म ॥ य र्व
द सुप्रींती॥ॐ य र्व द सुप्रींती॥ॐ सा म य द सुप्रींती॥ॐ
अ ध र्व द सुप्रींती॥ सु मि त द ॥ ॥ॐ अ र्व न सुप्रींती॥
ॐ व ध सुप्रींती॥ॐ स न क सुप्रींती॥ॐ स न न सुप्रींती॥ॐ

स न न न सुप्रींती॥ॐ स न क मा न सुप्रींती॥ॐ क यि ल सुप्रीं
ती॥ॐ अ सु वि सुप्रींती॥ॐ वी धू सुप्रींती॥ॐ य र्व नि र्व सु
प्रींती॥ॐ स र्व द सुप्रींती॥ॐ स र्व र्व य सुप्रींती॥ॐ स र्व वि
रू त य सुप्रींती॥ ए न ॥ स र्व द द न ॥ ॥ न न ॥ द य स र्व
कू ल ज ल नि ला र्थी ॥ ॥ॐ य म सुप्रींती॥ॐ म ल्य सु
प्रींती॥ॐ अ न क सुप्रींती॥ॐ वे द न न सुप्रींती॥ॐ काल
सुप्रींती॥ॐ स र्व रू त द य सुप्रींती॥ॐ द म न सुप्रींती॥

ॐ दध्रुसुप्यंतां ॥ ॐ नीलप्यंतां ॥ ॐ यजमकीसुप्यंतां ॥ ॐ
 वृकादलसुप्यंतां ॥ ॐ सीमसुप्यंतां ॥ ॐ चिगुसुप्यंतां ॥ ॐ
 विगुगुप्यंतां ॥ ॐ धर्मगुप्यंतां ॥ ॐ चिंत्यसुप्यंतां ॥ ॐ
 चिंत्यसुप्यंतां ॥ ॐ चिंत्यसुप्यंतां ॥ ॐ चिंत्यसुप्यंतां ॥ ॐ चिंत्यसुप्यंतां ॥
 सपकानः ॥ ॐ आदिद्यादथागहासुप्यंतां ॥ ॐ ॐ न्या
 दिदशालोकपालासुप्यंतां ॥ ॐ गहासुप्यंतां ॥ ॐ गुह्यसुप्यं
 तां ॥ ॐ गुह्यसुप्यंतां ॥ ॐ आगिनीसुप्यंतां ॥ ॐ दूर्गासुप्यं

६

तां ॥ ॐ वलिसुप्यंतां ॥ ॐ व्याससुप्यंतां ॥ ॐ रुद्रमानसुप्यंतां ॥
 ॐ विरीषसुप्यंतां ॥ ॐ कृपसुप्यंतां ॥ ॐ यजगुणसुप्यंतां ॥ ॐ
 माकृष्टसुप्यंतां ॥ ॐ ॐ यद्विजिजि ॥ ॐ
 ॐ कृतयुगसुप्यंतां ॥ ॐ गुहायुगसुप्यंतां ॥ ॐ द्वाययुग
 सुप्यंतां ॥ ॐ कलियुगसुप्यंतां ॥ ॐ ॐ मिश्रगुहादि ॥ ॐ
 सुधितिसुप्यंतां ॥ ॐ आयसुप्यंतां ॥ ॐ गङ्गासिसुप्यंतां ॥

डं वायुसूर्यगी ॥ डं आकाशसूर्यगी ॥ डं दिव्यसूर्यगी ॥
 डं अयसूर्यगी ॥ डं ध्रुवसूर्यगी ॥ डं सामसूर्यगी ॥ डं विष्णु
 सूर्यगी ॥ डं नीलसूर्यगी ॥ डं अनलसूर्यगी ॥ डं यत्यु
 वसूर्यगी ॥ डं यरावसूर्यगी ॥ डं यवसव ॥ ॥ डं अ
 डं कयादसूर्यगी ॥ डं अहिबधूसूर्यगी ॥ डं विचूपायसूर्य
 गी ॥ डं हजसूर्यगी ॥ डं वद्रुचयसूर्यगी ॥ डं गमकसूर्य
 गी ॥ डं सूत्रश्वरसूर्यगी ॥ डं सावित्रीसूर्यगी ॥ डं विना

कीसूर्यगी ॥ डं अयनीसूर्यगी ॥ डं अयनाजिसूर्यगी ॥
 डं अकादशचूडा ॥ ॥ डं अयसूर्यगी ॥ डं अनासूर्यगी
 गी ॥ डं अगसूर्यगी ॥ डं अयसूर्यगी ॥ डं अगसूर्यगी ॥ डं
 वनसूर्यगी ॥ डं अयमासूर्यगी ॥ डं अगसूर्यगी ॥ डं वि
 वसूर्यगी ॥ डं सवितासूर्यगी ॥ डं वसूर्यगी ॥ डं विष्णु
 सूर्यगी ॥ डं विद्यादशदिशा ॥ ॥ डं वातचक्रासूर्यगी
 गी ॥ डं चक्रवर्तिशासूर्यगी ॥ डं चक्रवर्तिशानिनासूर्यगी

नी॥ॐ माग्नेशी वादिमासासुयीनी॥ॐ पुनियदासुयीनी॥ॐ द्वि
नीयासुयीनी॥ॐ न नीयसुयीनी॥ॐ चतुर्थीसुयीनी॥ॐ प
ञ्चमीसुयीनी॥ॐ षष्ठीसुयीनी॥ॐ सप्तमीसुयीनी॥ॐ
अष्टमीसुयीनी॥ॐ नवमीसुयीनी॥ॐ दशमीसुयीनी॥ॐ
एकादशीसुयीनी॥ॐ द्वादशीसुयीनी॥ॐ त्रयोदशीसुयीनी॥ॐ
॥ॐ चतुर्दशीसुयीनी॥ॐ अमावासीसुयीनी॥ॐ पूर्णमासी
सुयीनी॥ॐ ति ति थिया ४॥ ॥ॐ अश्विनीसुयीनी॥ॐ

रवणीसुयीनी॥ॐ कर्किकासुयीनी॥ॐ बाहिनीसुयीनी॥ॐ
ॐ मंगलिकासुयीनी॥ॐ आर्द्रासुयीनी॥ॐ पुनर्वसुसुयीनी
॥ॐ पुष्यासुयीनी॥ॐ अश्लेषासुयीनी॥ॐ मघासुयीनी॥ॐ
ॐ पूर्वाश्लेषासुयीनी॥ॐ उत्तराश्लेषासुयीनी॥ॐ
सासुयीनी॥ॐ चित्रासुयीनी॥ॐ स्वातीसुयीनी॥ॐ विशा
खासुयीनी॥ॐ अनूराधासुयीनी॥ॐ ज्येष्ठासुयीनी॥ॐ
मूलासुयीनी॥ॐ पूर्वाषाढासुयीनी॥ॐ उत्तराषाढासु

[illegible]

ॐ ध्रुवसूर्यगी ॥ ॐ व्याघ्रातसूर्यगी ॥ ॐ रुच्यतसूर्यगी ॥ ॐ
वक्रसूर्यगी ॥ ॐ शुद्धिसूर्यगी ॥ ॐ यतिपानसूर्यगी ॥ ॐ
वलियानसूर्यगी ॥ ॐ यत्रिद्यसूर्यगी ॥ ॐ निवसूर्यगी ॥
ॐ सिद्धिसूर्यगी ॥ ॐ साक्षासूर्यगी ॥ ॐ शुभसूर्यगी ॥ ॐ व
द्वासूर्यगी ॥ ॐ उल्लसूर्यगी ॥ ॐ वेधुतिसूर्यगी ॥ ॐ मि
सकाविसमिया ॥ ४ ॥ ॐ मयसूर्यगी ॥ ॐ वृषसूर्यगी
गी ॥ ॐ मिथूनसूर्यगी ॥ ॐ कर्कटसूर्यगी ॥ ॐ सिंहसूर्यगी
॥ ॐ शुक्रसूर्यगी ॥ ५

नी॥ॐ कन्यसूयीनी॥ॐ कुलसूयीनी॥ॐ विष्णुसूयीनी॥ॐ
धनसूयीनी॥ॐ मकरसूयीनी॥ॐ कूसूसूयीनी॥ॐ मीः
नसूयीनी॥ॐ तिदादयनासि॥ ॥ॐ मूसूयीनी॥
॥ॐ सकयजायतयसूयीनी॥ॐ सिद्धिगणसूयीनी॥ॐ ऊः
यादिदेवसूयीनी॥ॐ जान्मादिनात्रकासूयीनी॥ॐ अनिः
सादिसिद्धासूयीनी॥ॐ बालादिकात्रणसूयीनी॥ॐ मृदासू
यीनी॥ॐ तयसूयीनी॥ॐ नक्षत्रसूयीनी॥ॐ अयनसूयीनी॥

नी॥ॐ विद्याधनासूयीनी॥ॐ मूर्ध्नासूयीनी॥ॐ वात्रसूयीनी॥
नी॥ॐ लग्नसूयीनी॥ॐ रुमनादिषुतयसूयीनी॥ॐ वर्य
नसूयीनी॥ॐ भयसूयीनी॥ॐ समस्तसूयीनी॥ॐ कः
ल्यसूयीनी॥ॐ सफत्रधसूयीनी॥ॐ अत्रलसूयीनी॥ॐ कू
मात्रसूयीनी॥ॐ सर्वदेवनासूयीनी॥ॐ उम्दीयसूयीनीः
॥ॐ कृष्णदीयसूयीनी॥ॐ अकदीयसूयीनी॥ॐ काश्रदीय
सूयीनी॥ॐ अल्लादीयसूयीनी॥ॐ अभधदीयसूयीनी॥

सुधीनी ॥ ॐ नमो सा सुधीनी ॥ ॐ अकि नु सुधीनी ॥ ॐ सु
गा सुधीनी ॥ ॐ धुता सुधीनी ॥ ॐ विष्णु सा सुधीनी ॥ ॐ नो नवा
श्री वीरु नान नका सुधीनी ॥ ॐ व द्रु सुधीनी ॥ ॐ म्म नाना सु
धीनी ॥ ॐ आ व द्रु दि नि नाना सुधीनी ॥ ॐ म्म नि क सुधीनी ॥
ॐ वृदि क सुधीनी ॥ ॐ उ द्रु य न म सुधीनी ॥ ॐ न स र्व न र्य
नका न य ॥ ॥ अथ ने व द्रु ॥ ॐ ॐ धुता सुधीनी ॥ ॥
जाय ॥ १० ॥ ॥ सा र्व ॥ ॐ नम ४ स क र्व थ ॥ ॐ ॐ नम स र्व रुज

दाडाः विष्णु मिश्राः यम दग्नि ४ वलि रु ४ क श्व र्था पि म्म त सो नः
मा सु शा श्व र्ता ॥ ॐ ॐ सा म व ॥ ॐ न मा र्थ रुज दा डा व र्थ म व ॥ ॐ न
मा र्थ रुज दा डा ॐ मा म व विष्णु मिश्र यम दग्नि अ य म व विष्णु
मिश्रा र्थ यम दग्नि वि मा म व वलि रु ४ क श्व या व र्थ म व वलि रु
य क श्व या वा ॥ ॐ व नि वा वा ॐ नम द्रु न ति व रु ॥ ॐ न म न द्रु नि
वि ति स र्व र्था न्दा रु व नि स र्व म र्था न र व नि ॥ ॐ व व द ॥ ॐ य थ ॥
मं गाय त्री ति वा व रु न ॥ ॐ ग र्ग म न्ध दि ॥ ॐ नि क ल म्म र्ज न ॥ ॥

2376 I

Handwritten text in Devanagari script, likely a library stamp or inventory record, covering the lower half of the page. The text is arranged in several lines and is partially obscured by the binding and wear of the manuscript.

१ नागा म्हा विनयं सयत्न ऊ न ती मा ना म हा दि रु यं स म्मी म्मी न न या दि ना ग उ
 न नी स पा न न स म्पु य ४ ना गा म्हा त्म र गि न य प र ध व य उ रा यि ना स म्पु रू मि षा
 का यि न त्राम हा त र य वि धो ती र्थ न थ न य र्थि ॥ ॥ ॐ नि यि लु दान क र्म ॥ ॐ ॥ ॐ
 १ स ह ॥ ॐ ना ग त य ४ ॥ ॐ ॥ ॐ का द भी रू डा नू द का द भी रू ड न ४ ॥ ॐ का द भी रि त्र
 ना रि म हा नू द ध क थ न ॥ ॐ का द भी म हा नू ड न गि नू ड रू नी नि ग ४ ॥ ॥ ॐ
 धा य न ४ ॥ ॐ क वा न भ का द भी नू वा क पा भ न ॐ ॐ क प थ म र म का नू वा क प
 १०७ ॥ ॐ न न यि स म ग न म का नू वा का र्थि क ला दि नी र्थ र म का नू वा क
 ना व र्थि ॥ ॐ व रू डा नू वा का रि ष क र्थि ॐ म षू वा ध र्थि ॥ ॥

ग ता रु ल यि लु मा न रं ७ ॥ ॐ न म ॥ ॐ दा ध वा य न म ४ ॥ ॐ
 ध नि ह्य षा द वि धि ना र्थो वा रु न द र्जि त न रु ल षा द माल ३
 रं ७ ॥ ॥ रु वि षा य ना ॥ ॐ ॥ ॐ द द्या द रु ज र्थ षा द म न द्या ना
 द क न वा । य थामू ल रु ले द्वा विः यि रु र्थ ४ यो नि मा व रु न ॥
 य थ म त आ च म्याः सं क र्ण क र्थो र्थ ॥ ॐ ॐ द द्या द रु ज र्थ षा द म न द्या ना
 रु मा नि र्थो ग या दि नी र्थ यि लु दान ऊ न य स म रु ल या यि ३
 का म न या य ना व ती ती न रु ल यि लु दान स र्थ क वि थो ॥ ॥

॥ अथायसुनदक्षिणादिमस्तु नदक्षिणाजानुमौनिधाय
॥ ॥ लयनलायावलंखनहाय ॥ ॐ अयविउ ४ विजावा ॥ ॥
यूधुनीकाशस्मत्रलनधदद्यालियविउजलनसिंचय ७
॥ ॥ कृष्णतिलनासनकात्रय ७ ॥ ॐ गायत्रियिउत्रदंनग्रा
वहीकर्मरुलधदयिउतिलकृष्णदमासनस्वधा ॥ ७
देवा ॥ यितामहः ॥ ययितामहः ॥ माहः ॥ यितामहः
॥ ययितामही ॥ मातामहः ॥ यमातामहः ॥ वृद्धयमातामहः

महः ॥ मातामही ॥ यमातामही ॥ वृद्धयमातामही ॥ माह
ल ॥ माहली ॥ ययितामहः ॥ ययितामहः ॥ ययितामहः ॥ ययितामहः ॥
याध्या ॥ ययितामहः ॥ ययितामहः ॥ ययितामहः ॥ ययितामहः ॥
तनी ॥ मित्र ॥ मित्र ॥ मित्र ॥ मित्र ॥ मित्र ॥ मित्र ॥ मित्र ॥ मित्र ॥
दिनमस्कारनकुला ॥ ॥ ययितामहः ॥ ययितामहः ॥ ययितामहः ॥
यिउदंनग्रावहीकर्मरुलधदयितत्रयथानास्रवतर्क
रुलविर्णुतसोस्वधा ॥ सर्वमदयकात्रय ॥ यितामहः ॥

ययितामहादि ॥ ॐ गार्ग्यगार्ग्ययिषु ब्रह्म गार्ग्यवर्णी
कर्मरुलध्वयिषु यथा नाभरुलयिषु निलादकार्य
सध ॥ उर्वयितामहा ॥ ययितामहादि ॥ ॥ चन्दन ॥ यज्ञ
यवीनः पूष ॥ ॐ तुलसी गतयर्गवति ॥ धूय दीयः स्रग
भ्रादि ॥ ॥ कायलासलंखधकावकृणधूकावयिषु स
हायक ॥ ॥ तमाडदीनमाय ॥ ॐ उदीनमासवडस्य
वासः उस्मा ॥ यितनसा म्यास ॥ श्रीगुंज ॥ चन्द्रनास

नः क्लासना वलुयिषा रुवय ॥ १ ॥ श्रीगित्रसान ॥ यितवान
वः गार्ग्यार्थवोः गार्ग्य गवः ॥ साम्यासातर्वा वयर् सुमतीयः
ह्रिया नामयिरुद सोमनसस्याम ॥ २ ॥ यन ॥ यूर्वयि
तत्र ॥ साम्यासान्द्रिः सायवी ॥ वगिहातं रि ॥ यम ॥ स
त्रा ॥ लरुवी ॥ यूर्वः गलुगहि ॥ उरिकासमरु ॥ ३ ॥ ल
सामययिकितामनीयाः ल ॥ वडिदमननयिपंथा ॥ नव
यलीति यितवान ॥ यद्वैष्वन्नमरुजन्ध्रीया ॥ ४ ॥

त्वयादिनः ४ यितनः ४ सामयूवः कर्मादिचक्रः ४ यवमानः
धीनाः ४ वलंनवातः ४ यत्रिधीनः ४ योर्ध्वः ४ वीनरिन्ः ४ येर्मयवा
रुवानः ४ ५ ॥ त्वं ४ सामयितरिः ४ सविदानाः ४ नृणां वाप
थिती आरतं धा ॥ तस्यै तत्तु न्या ह विद्या विधमः वयसं स्या
मयतया नयीर्ण ॥ ६ ॥ वहिषदः ४ यितनः ४ उत्यवोगि
मावाहवाचकसाश्च ध्वं ॥ नृणां गता वनां गीतमन्ताः ४
नः ४ गीता नृणां दधत्तः ४ ७ ॥ आरुचिन् ४ सुदन्तां

अविनिनः ४ यादचविक्रमनचविक्रमः ४ वहिषदायस्वधः
यासुतस्यरुजन्तयितरुत्तु ॥ गमितः ॥ ८ ॥ उत्यवोगि
४ यितनः ४ साम्यासा वहिषद्वनिधी ४ यितयः ४ यूरुत्तु ग
मन्तुत्तु रुत्तु वः त्वधिकर्वं रुदत्तं न स्यात् ॥ ९ ॥ आरुचिन्
नः ४ यितनः ४ साम्याग्निः ४ यात्तु ४ यथिरिदं वयाने ४ नृसि
यत्तु स्वधया सादर्यं नाधिकर्वं रुदत्तं न स्यात् ॥ १० ॥ अ
ग्निः ४ यात्तु ४ यितनः ४ गृहगच्छतः ४ सदः ४ सदः ४ सदः ४ सदः

यही तथ ४॥ अलाह विविध यथा निवृत्ति आश्रय यि ० स
वैवी नंद धातन ४॥ ११ ॥ अग्नि आला ४ यग्नि आला म
अदिव ४ स्वध्यामादयन ॥ तस्य ४ स्वना ३ सुनि निम ना
यथावर्षं तं कल्यायानि ॥ १२ ॥ अग्नि आला नृगुम
गारुवी मरु नाजा स ० ससा मयी धैय अगु ४ रं ना वि
यांस ४ सुहवारु वं गुचय ० स्या मय तया नयी ॥ १३ ॥
आचा जा नूद वि ल ना नि य ० मं य ० मरि गृही त वि ३

स्वामा ॥ हि ० सिष्ठ यितन ४ कं न चि ना य द्र आ गयू नू वः
गा क नाम ॥ १४ ॥ आसि ना सा अ नू ली ना मय ० वयि
धारु दा शुध म लाय ॥ य ० गु ४ यितन ४ तस्य व स्व ४ य
य च्चु त न ० लाय न्द धा तु न ॥ १५ ॥ यम ० म क य वारु
न ० तं चि न न स न यी ॥ न ना गी रि ४ धवा य ० द व ना य ल
या य यी ॥ १६ ॥ या अग्नि ४ कृ य वारु न ४ वि नृ न्द द ना
द म ४ य ० गु यानि वाच नि ० य न स य वि नृ स अ ॥ १७

॥ त्वमग्रं हृदि तं कथं वा रुना वा ध्यानि सूत्रं रिणी कृ
 त्वी यादा । यि नृ स्य ४ स्वध्याने न नृ कृ नृ दि त्वं यत्र यत्र
 ना रुवी र्मि ॥ १८ ॥ यत्र हृदि तत्रा यत्र नृ र्याः श्रवाः
 नी ड व न य विष्णु त्व । व थ ये दि नं जा न व द ४ स्व धा रि य
 नृ र्मि सू री य व स ॥ १९ ॥ हृदि यि नृ स्या न मा अ स्य य य
 पू र्वा सा य ड य त्रा स हृ य ४ य या थि त्र न य स्या नि य र्का थ
 वा न न र्मि सू रि ऊ ना सू रि ॥ २० ॥ अ ध्या य धा न ४ यि म

न ३

नृ ४ य ना स ४ य ना सा अ न मृ त धा मा णु वा णा म् । हृ दी
 द यं दी धि नि मृ क सा स ४ सा ना रि द ना अ नृ नी न य व
 न् ॥ २१ ॥ ड ण नृ स्या नि धी म अ णं म मि धी म रि ड ण
 नृ ण न आ रु । व यि नृ ३ हृ वि य अ रु व ॥ २२ ॥ अ नृ थ
 क थ वा रु ना स्या रु सा मा य यि नृ म न स्या रु । अ य रु ना
 अ स ना नृ क्ता र्मि सि त्र दि ष द ॥ २३ ॥ य नृ या नि य रि म
 अ मा ना अ स ना म नृ स्व ध्या च न कि । य ना यू ना नि य

य ३

वाञ्छसर्वे। यितायितामहा। श्वेदः त। श्वेदययितामहा॥ ४॥
 यि। ययानु। यि। धुनः त्वया दह नरु नले ॥ यितलो वसवा
 नूया। नूडा। श्वेदयितामहा॥ ४॥ ययितामहा सुधादित्या
 एतं संचिन्हा रु नले ॥ मनुही नीक्रिया ही नी रुकि ही नीन
 श्वेदय। तदमु सर्व संपूर्ण दं म्य नां यि रु द व ना ॥ ४॥
 गार्थः। गार्थयि रु नू द ग म्य दधी कर्म रु ल धा द रु ल यि
 रु दा ना च न वि। धो मृग ग न्ध यू य धू य दी य रु ल नै यः

आदिग सर्व वि। धय विर्यूनभा म् ॥ नमः ४ त्काली ॥ ७॥
 सूर्य सा नि क य ॥ ७॥ य न म या ध द या आ र्कः रु तं नि र्य म्
 या त व ४ मा रु धु शा नि द वा हिः सा नि रु न म् स व दि
 ॥ यू य य दानं ॥ यि रु या। ग म या द व रु त स वी र्थ सा
 ध क ४। ज स्य य रु स्य क ली त्वं शा का त्वं य व म ग्ध व ॥
 रु त क र्म। ए सा नि। ए धी सूर्यो य ग र्थ नमः ४ यू य न
 म ४ ॥ ॥ कृ। ग न यि रु स्य। ग नी व ४ ॥ वि स र्जन ॥ ७॥

आ प्र न नु जा द दि ह म दान ॥
 वा य न नु रा नि र्वा द ॥

वाङ् वाङ् वृ त वाङ् जि ना ना ध न वू वि या अ म त म त ३
रू ४ अ म म ध ४ यि व त मा द य धं न का या ना य धि रि
द्वे व या ने ४ ॥ यि न यि ना म ह ययि ना म ह ॥ मा न
यि ना म ही ययि ना म ही ॥ मा ता म ह यमा ता म ह वृ द
यमा ता म ह ॥ मा ता म ही यमा ता म ही वृ द यमा ता म
ही ॥ मा तु ल ॥ मा तु ला य नी ॥ श्व तु न ॥ श्व तु ना य नी ॥ अ
चा यी ॥ उ या ध ॥ पु नू ॥ मृ तु उं ॥ मि नू ॥ सि नू ॥ वा ध व ॥

यू य ॥ यू यी ॥ ज्ञा ता ॥ रु ग नी ॥ य ग नी ॥ स्व न्न ला क वि
श्रु ला क नि व ला क सं या का रु व नु ॥ ॥ यि तु म न्न नं द
ता य ॥ १०७ ॥ ॥ उं स य या धा दि ॥ उं क या न श्रि य ॥
उं क स्त्रा स था ॥ उं अ री व न ॥ उं स्व सि ॥ उं द ॥ उं य य
यि लि द ॥ उं वि श्रान ला त म सि ॥ उं अ मि द व ता ॥ उं
दि यं सा ति ॥ उं पु न्नी व कं ॥ ॥ उं य वा स क ल ॥ ॥
रु मी ति ला द कं दा य य ७ ॥ उं अ स क चू उ वा ला नां

यच गुरु विनिःसृताः अनवा फागिरी स्कावाः सखीरुः
मोददासहं ॥ ॥ वखादकंदय ७ ॥ स्वाभाया कानिः
गगनाय च यच वधू विहीनकाः न सर्वे रुकि माया नुः व
मुनिः यी उ नादके ४ ॥ नद्यां यिर्हं य वाहय ७ ॥ उं समूद
गच्छ स्वाहा न निर्यं गच्छ स्वाहा देवर्षं स विज्ञानं गच्छ स्वा
हा मिता वनू ॥ लो गच्छ स्वाहा पूहा वाणं गच्छ स्वाहा चूः
न्याहं सि गच्छ स्वाहा आ वा दयिती गच्छ स्वाहा य हं गच्छ

स्वाहा सामं गच्छ स्वाहा दिव्यं नरुं गच्छ स्वाहा मिर्वे ज्ञानं
नं गच्छ स्वाहा मनः भूहा दि च चू दि त्रै य धूमा गच्छ स्वः
श्रुतिः ४ यथो मूसा ना य शस्त्रा ॥ ॐ निरु न यि लु वाः
यक ॥ रु न यि लु विधि ४ ॥ ॥ स य नि वि वा य क याः
वद ॥ उं द व स्य ता स वि ४ ॥ उं स न स्य हो वा वा र्यः उर्य
नि व द धा मि । व रु स्य न स सा माः श्रु ना रि वि वा म्य सी ॥
उं द व स्य ता ॥ उं अग्नि नो रं व श्रु न ॥ वृ ण गृ नि रु न ॥

गायत्रीमित्रावरुन ॥ उँ कात्रवक्रमृष्टिबनरुद्रकुन्दावृद्धा
देवतासर्वयायक्या । धविनिथाग ॥ उँ डामिनिमनुस्वः
यंरुद्रः कृष्टविमयिगीकुन्द । अमिदेवतालाकवदया
हमिनाधार्यविनिथाग ॥ उँ द्याहमिनायजयः तिस्रस्या
वज्रायणी । कुन्द ४ सवितादेवतातस्यविनिथाग ॥ उँ नः
सवित्रुविमिनास्यायजयमिविष्णुमिह । स्याकवदया
हमिनाधार्यविनिथाग ॥ उँ नस्सवित्रुविमिनास्ययज

यनिविष्णुमिहस्यावज्रायणीः अन्ध ४ सवितादेवतातस्य
विनिथाग ॥ उँ निमृष्टिकुन्द ४ समादं ॥ ॐ ॥
तताकुवयाडाः अरिष्टाकचन्दनसिन्धुससुहाकायः
शकस्वानः मुनिकचनकाय आशिर्वाद ॥ वेद ॥ उँ नर
दक्षां सिनयिष्णवास्तुनिदेवाः नामाङ्क ४ यथमङ्क ४ स
न्याविरुक्तिदा । कायवादिनश्च ४ सदवयूकलनदी
धर्माय ४ समश्च वृक्षलनदी धर्माय ॥ उँ यदावधुदाः

कायलक्षितं धर्मं शतानि कायसु मनस्यमानाः त
 न्न जातवन्नामि शतं न ददायाद्यथा ॥ न ददियथा स
 न ॥ उं यनवकावलीनाडा दानवन्दा मकावल ॥ नना
 हं कंकनं वृद्धा न दनुदिगदवता ॥ ॥ धनाकाय ॥
 मन ॥ उं शुक्लं शान्तिं विरुद्धा निश्चयस्य शान्तिं विरुद्धा
 कथ्यते नयाया लक्ष्मीं हः ॥ ॐ हं चो न्या हं ॥ स हं च यमिस
 हं च मिताय सीमिताय सरुताः ॥ न न स्य सत्यं धुवः

३२

॥ ॐ हं चो न्या हं ॥ स हं च यमिस ॥

न्यधनं लभ्यते धनं विधाय विधाय नयः ॥ न न जिच्च स
 ल जिच्च ॥ न न जिच्च सत्यं न च ॥ अकिमिदं न दूतं न न
 न न गल ॥ ॐ हं चो न्या हं ॥ स हं च यमिस
 यति स हं चो न्या हं ॥ स हं च यमिस
 सरुलं सामन्यं न यं ॥ मिता स न्य सीमिता सा नो न
 नये न्य गुरु मधीच की नयना की वा ऊं यी ॥ उं ॐ न्य न्य
 वी ॥ उं धनां कन ॥ यनी वा य ॥ यथा दधि ॥ सामस्य न्य

सकवा ४ ९

नमस्तस्मै श्रीगणेशाय नमः
 नमस्तस्मै श्रीगणेशाय नमः
 नमस्तस्मै श्रीगणेशाय नमः
 नमस्तस्मै श्रीगणेशाय नमः

अकारिषं जिष्वा न सैवाजिनः ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

यष्टं रुविष आमिष्ठा वाङ्मिर्नमधु ॥ उँ धानानां उँ चूर्यं कू
 वलं यत्री वायस्य ॥ गमधूमाः सकूना उँ चूर्यं वद नग प्रः
 वाकाः कजम्भस्य ॥ उँ दधिका प्रोति ॥ उँ गनाद व्री ॥ गः
 ययीय उय धान ॥ १० ॥ नय ॥ उँ निधाना इनि विधि ॥
 उँ कू ॥ गमिर्नमधु ॥ सः लं व क्का वद या नग ॥ विरुः
 कार्यदिनाथयः कृष्णान्ताद या म्यरुं ॥ कृष्णहाय सः
 यार्थनायाय सः धाय उय ॥ ११ ॥ धानलिकृष्णाय ॥ श्री को ॥ ३
 पयस्वरूपं यद्यवा दध्नी रूपं कर्कशानां सोमस्य रूपं वाजिनं सोम्य
 रूपं सामिष्ठा

[illegible]

उ नवविंशक लघ्नाष्ट रु लयिछात्रक किया। यथिया ज
 निकर्मा निः सानि नस्य निरन नद्या ॥ ॥ सम्वत् ४२२ ॥
 कार्तिक शुक्ल पक्ष मिरु स्यनिवाल थ कुद्रु वा य धू
 नकालिखिदं ॥ उथिवा च्छु द्विज द्वे त्री कृष्णाङ्ग न
 रु मन्तु श दारदं ॥ यथा द्रुष्टं तथा लिखिदं लेख का
 नाष्टिदा व का ॥ थ सम्वत् सया हू थ दन प्रावधी कर्म
 कल जयूजा रु ल यि छु थयाः प्रवा या ना य क रु या ॥

थं दया धी माहा द द या या ल न रु प्रा ॥ ॥ १०० ॥
 ति धा वधी कर्म विधि समा र्क ॥ सरु निम द या व चा या
 रु प्रा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 लो क ना थ या म रु उ वा क म

१ शि वि ॥ श्री धर्म नाड ॥

२ शि ता मरु ॥ श्री मरु नाड ॥

३ शि मि मरु ॥ श्री न न सिं रु नाड ॥

४ सायी ॥ श्री श्रु नाः ध वी ॥

५ श्री ता मरु ॥ श्री श्रु व दृष्टिः ध वी ॥

६ य श्री मरु ॥ श्री

७ सा गारु ॥ श्री धर्म नाड ॥

८ य सा गारु ॥ श्री क स व नाड ॥

९ दृष्ट य सा गारु ॥ श्री का सि न ड ॥

१० सा गारु ॥ श्री ले नाः ध वी ॥

११ य सा गारु ॥ श्री ले नाः ध वी ॥

१२ दृष्ट य सा गारु ॥ श्री दृष्टि स नीः ध

१३ नभा नाय शाय या द रु

१४ य न वि धि लि त्वं ॥ शु र दि

१५ व र्णा श्र ध न रु भि द कि र्णा

१६ र्णा श्र ध न रु भि द कि र्णा

१७ ॥ अ श्र दि ॥ य ड मा न रु

१८ ध व र्णा सा द रु य ना र्ध यो

१९ द रु य न रु ले र्णा र्ध न रु

२० र्णा नि मि र्ण र्क क र्ण रु यो

२१ य ॥ सा र्ण र्क क र्ण रु यो

२२ सि दि न रु कि यो ॥ व र्णा

२३ र्णा र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण ॥

२४ व र्णा र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण ॥ रु

२५ न रु र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण ॥ रु

२६ र्णा र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण ॥ रु

२७ व र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण ॥ रु

२८ र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण ॥ रु

२९ ॥ ध र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण ॥ रु

३० र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण र्ण ॥ रु

विष्कंदा १०७ ॥ नगायथा
 कर्मका नथा ७ ॥ नैसु रा
 का। ए न वलिंद द्या ७ ॥
 उ था वि भ न वलिंद उ
 न ॥ न ग ४ क ले सा २ ५ ॥ यी
 न तू धु न ख सि कं नि भः
 न ॥ नो जा नि किं था ७ ॥ नो जा
 दो ऋ य था ७ ॥ दू द्वा दि भः
 दि स भ न ॥ ख धु न य प
 धा य नि ॥ नो ज व ट स ऋ
 या ॥ भ न ग र्द इ च य न
 द ॥ कि न कः द्य ट दू कं वी
 कि भः था ॥ द्य टा २ ५ ॥ अ व
 धा ॥ नू य कं भः नो द्य ट यः
 धु ॥ नू क का च तु दू यी ॥ ६
 सु भि क काः वं भू ला दि ॥ ६
 था दि ऋ यः २ ५ ॥ य का भ
 ले दि न वि दि भः सि कं न

धनं सं ऋ य ॥ न ग ४ नि
 मं च न ॥ सानं क ला ॥ वि
 ध न ग ४ ॥ ऋ य ना धो क भं
 न दू द्वा दि क म ध न ॥ ६
 ख सि भः मि मी न ॥ नू थः
 य भ न वा न न ॥ ६ वा च कं
 भुं ध ॥ दू न ख ख य धा नः
 न ॥ ६ या ५ य धा ॥ व धा कं
 न च न न सि नू ना दि दू यी
 व ॥ ख ख म नुं धः दू य धी
 या दि ॥ नो जा न सि स क ॥
 ६ म नो र्द नि ॥ ६ ॥ था दि स
 न ॥ ॥ नू थ नं नू च यः
 ध य ध वं न्या स क ला ॥ वि
 न ला दि न भः ध था ७ ॥ क
 ॥ २ ॥ ६ ॥ नू ४ नू स
 न ला धि य न थ व कः ॥ ६
 या दू ॥ द्य टा र्द ॥ १ ॥ ६ व

[illegible]

एन प्रजा ॥ ॥ प्रनद नि
 धर ॥ ३ ॥ अक्ष नादि अक्ष
 पृष्ठिकासन ॥ ८ ॥ ३ ॥ अ
 दिष्टादिनव प्रदं ॥ २ ॥
 वद ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 दिः कु ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 विष्णु न नाट ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 नभा इक्षु सद्य ॥ ३ ॥ विज
 यात् २ ॥ ३ ॥ गक्ष का स २ ॥
 अक्ष ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 २ ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 त मित्र ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 दिक्ष न नाट ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 ३ ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 का २ ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 का ३ ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 नद स ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥
 स ॥ ३ ॥ अक्ष ॥ ३ ॥

सा न्यारु ॥ अरु ग अदि ॥ ॐ
नि द कि क्ष स ॥

यूनवयिनेम रा ॥ ॐ अ अ
नादि अरु य वि का स न ॥
ॐ अदि द श लो क यो नो
य ॥ ॐ ग ग न मि न्य ॥ ॐ
दि या ना वि म् ॥ श्री रिः रु म
॥ न य ॥ ॐ य ॐ य य ॥ ॐ
न न्ना य ॥ ॐ क क्क ट का
य ॥ ॐ न ॥ ॐ क क्क व ॥
न व रु ॥ ॐ न य ॥ ॐ
द ॥ ॐ व न र य ॥ ॐ
रु ना दि च न नो क न य
॥ ॐ य दी यः जा य ॥ ॐ
य ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ क क्क ट
क न श म ना ग ॥ वि व का ग
कि र्म य दी । क र्म य र्म म
रु रु यः ना ग ना अ न म
॥ ॐ ग ॥ अ य ग अ दि ॥

ॐ नि ने म रा स य ॥ ॐ ॥

यूनवयिनेम रा ॥ ॐ अ अ
नादि अरु य वि का स न
॥ ॐ द्वा द श ना ना य र्म य
॥ ॐ वि अ न ना ट ॥ श्री
रु मि न ॥ ग यः चा ॥ ॐ
ॐ ना व दी ॥ य र्म ॥ ॐ
य वा मि लो च न ॥ ॐ य र्म
ये न म ॥ ॐ य द न ना ग
जा य ॥ ॐ न ॥ ॐ अ न
व र्म न व रु र्म ला दि ॥ ॐ
न य र्म ॥ ॐ द ॥ ॐ य मि
य क ला दि ॥ अ वा रु ना
दि च न ना क न य य र्म ॥
धु य दी यः जा य ॥ ॐ य दी
य ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ क्क
सा न र्म य र्मः य वा स न
॥ ॐ मि र्म वा न र्म अ कि

[illegible]

॥ वन्दनादि यज्ञा यदीनां ॥
श्रुतगोपि ॥ ॥ ॥

पभा नि धि क्कं णं सु सु का वि
स क्कं नं ॥ इ उ व य के म ख
॥ य ज मा नं नः ० सु सु का नि
धि क्कं णः वा हिः सु की काः व
धु ला दिः द किं ण स रः विः
धु क मा दि द य य ॥ वा क ॥
इ जि नि रु सा य दा न यी
० सु य क्कं स यी नः य ध
द व क्क य क मा हिः य ध
क रु ले का मा य ॥ व ग नि
स रा नं ह वि य क मा ॥

यथा ॥ ॥ अर्चने ॥ ॥
 ॐ स भवद्वा ॥ स मती क
 ले ॥ ॐ ति च कु सखा न ॥
 मया नृमीं यी न चूर्णे न
 यस्मि कं लिख ॥ स ॐ न
 ययद्यः कर्मः ॐ नृ को द
 वादि क भव स ॐ नृ म
 या ॥ यो हिः चाः स हि नः ॐ
 रु काम ॐ नि वि क र रु
 या ॥ वा क ॥ धन स रि वाः
 कं य ॥ ॐ ॥ नृ म
 नृ व दानं ॥ ॐ स वा य वि रु
 नृ स ॐ य य स हि नः ॐ
 धं का न य ॥ य ज मा नं न ॥
 ॐ नृ य वा ला रु ॥ ॐ नृ य
 हि ॥ य ज मा न स य ॐ द
 व स नि क ॐ ॐ द म र्चि न
 ख न स ला ॥ ॐ नृ य यी द
 व द द ला दि ॥ ॐ नृ सः

फा य ला दि ॥ ॐ ति नृ य वि
 धि ॥ नृ य दृ वा दि म ॐ नृ
 स स वी हि य य य वि विः
 ॐ य ॥ ॥

य न ॐ य व रु ज न क भं
 य न का न य ॥ स र्व ॥
 ॐ नृ य न श क दि स्मि च न
 स न ॥ य र्व ना मा नृ य ॥
 स र्व य न ॥ ॐ द व द
 का ये न म ॥ ॐ नृ य य न
 ये न म ॥ ॐ य वि यो २ ॥ ॐ
 रु य यो २ ॥ ॐ नृ न का यो २
 ॥ च न ना क ना दि य र्चि य ॥
 ॐ ति य र्व स ॥ ॐ नृ य
 स ॥ ॐ स यो जा ना यो २ ॥ ॐ
 वा म द वा यो २ ॥ ॐ नृ य ना
 यो २ ॥ ॐ नृ य नृ य यो २ ॥ ॐ
 ॐ नृ ना यो २ ॥ ॐ वि य रु द
 यो २ ॥ ॐ वा य क यो २ ॥

चन्दनाकनादिपूषीच॥ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ गमः
दक्षिण॥ ॐ आदि ल्यादिः
दिनव प्रहं २॥ १० ॥
ॐ विद्रुयाये २॥ ॐ गका
ये २॥ चन्दनाकनपूषी
ॐ किदक्षिणस ॥ ॥ गमः
नेमि लस ॥ ॐ ॐ आदि सा
कपालाये २॥ १० ॥ ॐ विद्रु
सुगद्राये २॥ ॐ कक्षाति
कोये २॥ चन्दनाकनपूषी
२॥ ॐ किनेम लसपूजा ॥
॥ ॥ गमः पश्चिम ॥ ॐ द्वाद
धनान्नायकाय २॥ ॐ पूषी
ये २॥ ॐ यक्षनागनाजाये
चन्दनाकनपूषी २॥ ॐ
किपश्चिमसपूजा ॥ ॥ ग
मावायवस ॥ ॐ वृक्षाये
दिमाकनाय २॥ ॐ स

नक्षत्राये २॥ चन्दनाकनपू
षी २॥ ॐ किवायकाये २॥ ॐ
स ॥ ॥ गमः ॐ कच ॥ ॐ
ॐ गमः ॐ आये २॥ ॐ स
नाये २॥ ॐ गमः ॐ यानना
गनाजाये २॥ चन्दनाक
नपूषी २॥ ॐ किद्रु कच
काये ॥ ॐ ॐ नमः
जा ॥ ॐ गमः ॐ द्वादधन
२॥ ॐ पूषी नक्षत्राये २॥ ॐ
कलि कनागनाजाये २॥
चन्दनाकनपूषी २॥ ॐ
कि ॐ गमः नपूजा ॥ ॥ द्
नमः ॐ स ॥ ॐ यनिपदा
दि किशिखा नमः ॥ ॐ द्
नक्षत्राये २॥ ॐ नक्षत्राये २॥ ॐ
रुद्राये २॥ ॐ रुद्राये २॥
ॐ विद्रुकाये २॥ ॐ पूषीये
॥ ॐ वृक्षाये २॥ चन्दनाक

नयय्य॥२॥२॥सर्वधुयदी
य॥स्यसजयकोवकोनः
॥२॥

वाक्काःयजमानःविभ्य
कस्माःअभिःअवालाःव
यायभिसस्युत्वा॥स्मिन्
नाभं॥३॥अश्वालाह॥
३॥अश्वादि॥वाक्का॥३॥
निकंयुनिकंअथयःसि
ह्ननकंयुधंयुधं॥सर्व
दासर्वसंस्मितिःतिक्कु
आगिसर्वयुयि॥३॥याः
वर्धुदस्यस्यय्यस्यमिति
॥वद॥३॥स्मिन्आरुदविद
न॥स्मिन्स्मयस्मिन्आरु
वर्धु॥३॥स्मिन्वदस्मिन्
॥३॥स्मिन्स्मिन्वदस्मिन्

॥वलिचदानं॥अग्निभा
रुनका॥वलिक्का॥३॥
दस्मिन्दानं॥कलेअग्नि
भादीद॥न्यासादिःकले
गविसर्जनं॥सूर्य्यअग्नि
कला॥कलेअग्निधर्मं॥
वन्दनाद्याभादीद॥स्यस्य
मर्कनवलिचदानं॥३॥
॥अग्निसादिवलिचदानं॥
व्यय॥यजमानस्ययथ
यवयवगिमाक्कुयनाथ
यासादस्कुयनःयादस्कु
यननिमिषं॥वाक्का॥
॥३॥गिवादस्कुयनविधिः
समायं॥३॥॥३॥
रमस्तुसर्वदाकवर्धु॥

एतदिह वनिकदाचि कार्त्तिकेन कृतं नृपतिविना प्रसातिनायूष्यं यो
गयनचक्रयन्तर्गतं वनिकं नृपतिविना प्रसातिनायूष्यं यो

एतदनविधिं गंगामूर्ति काशीप्र। उवाच यवयु कृष्ण विष्णुनी गाय
हरी॥ नृपतिवामसमचार्य। घर्षयन्ति च मूर्ति का॥ ॥ उवाच कृष्ण
वै विद्याकर्तुं शास्त्रं सुदुर्लभं। कलत्रं विविक्तं जैव। वासुदेव उवाच
हृदये तद्विधिं कृष्ण। धीवन्तं नारि मण्डितं वदन्तं नारि कथं चेव। जंघया
गुरुराः हरी। वादया दामाद नैरुयं मूर्द्धिना गायनं नृपति। जंघया
नृपतिं वदन्तं नृपतिवामसमचार्य। मन्त्रिण॥

मानसका कान्तनयमान आयुषिमाना जन्तु माना रज्जुः श्वरी निव
माना वीरानुदलमिना वीरविष्मन् ॥ सदमित्वा रुवा मरु ॥ ॥
ॐ मातृद्वयतवसे कयदिने कयद्दीपायये रुता मरु मती ॥ यथं
जीमसद्वि यदय उवाच विष्णु मूर्द्धिना नृपति ॥

ममः श्रीरामायणः कणवः वक्रवर्णु नीरवः वक्र गदः गदा पीः लक्ष्मी वनः अरुय नक्षत्रः ॥ १	ममः श्रीरामायणः नामायणः वाक् गदः गदा नीरवः वक्र वागीश्वरी सदृशती वनः अरुय नक्षत्रः २	माधवः सुवर्णवर्णु वक्रः गदा यदः नीरव मलिनव काकीः काकी वनः अरुय नक्षत्रः ३	रामायणः माधवः विद्वलवर्णु गदः गदा नीरवः वक्र क्रियाः काक वनः अरुय नक्षत्रः ४	वैकुण्ठः विष्णुः तवः गदः नीरव यदः वक्र लक्ष्मीः काक वनः अरुय नक्षत्रः ५	वैष्णवः मधुसूदन लक्ष्मीवर्णु वक्रः गदा नीरवः यदः धृतिः विधृति वनः अरुय नक्षत्रः ६
--	---	---	--	---	---

दशमोऽध्यायः

१० दशमः अध्यायः

ममः श्रीरामायणः विद्वलवर्णु सुवर्णवर्णु वनः अरुय नक्षत्रः ७	आख्यः नामनः पीतवर्णु वक्रः गदा यदः नीरव पीतिः अतिपीति वनः अरुय नक्षत्रः ८	शिवः पीतवर्णु वक्रः गदा यदः नीरव नक्षत्रः ९	राहुवदः दक्षिणः वक्रवर्णु नीरवः गदा यदः वक्र मायाः मदिमा वनः अरुय नक्षत्रः १०	आख्यः यदः तवः लक्ष्मीवर्णु यदः वक्र नीरवः गदा धीमताः धी मनसा वनः अरुय नक्षत्रः ११	कारिकः नामादनः वक्रवर्णु नीरवः गदा यदः वक्र माधवः मदिमा वनः अरुय नक्षत्रः १२
--	---	--	---	--	--

ममः श्रीरामायणः

ॐ नमः श्री महा गवय तश ॥ ॥ ॐ नमः श्री दधन भाया जूथ श्री वदि ॥ ॐ श्रीः
॥ ॐ अग्नि निव शुचि कृवा आ दि ह्या निव न जा र वा विष्णु निव श्री मान रु वा व
द्मा ज्ञा यू ना यू कृ वा ॐ मं श्री थ य द्म रु स्र सु ग ल्य व द्म से ले यू थ ऊ ना य मा
ने ४ यु भा द मा ने ४ यु रि मन्य मा ने ४ यु न् ४ थो न् ४ थं व दुर्गा दी द्य मा यू ४ ॥ १ ॥
ॐ अग्ने प्रेहि पुथ मो दे व य तां च धु दे वा ना मु त म र्था ना म ॥ इ य क्ष मा ना
भृ गु मिः स जो षा स्व र्ज्य तु य ज माः स्वर ति ॥ २ ॥

